'वर्षा' मैडम तो 'निकली' छुपी 'रुस्तम', आते ही 'मारने' लगी 'सिसर'!

मनरेगा से इन्होंने अस्थाई गौशाला के चारों तरफ लाखों रुपये का नियम विरुद्व बाउंडीवाल की स्वीकृति दे दी

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...बखरे ने बड़े-बड़े ईमानदार अधिकारियों को बेईमान बना दिया। ईमानदार से बेईमान बने अधिकारियों को अगर कायदे का बखरा मिल जाए तो यह ब्लॉक तक को बेचने के लिए तैयार हो जाएंगे। ऐसे लोगों को जरा सा भी इस बात का डर नहीं रहता कि कहीं वह भी बनकटी के रोजगार सेवक की तरह जेल न चली जाए।

अगर कही ऐसे लोगों को अधिक बखरा मिल गया तो इन्हें नियम कानून को तोड़ने में जरा भी देर नहीं लगता। इनपर इस बात का भी कोई असर नहीं पड़ता कि यह जिस काम की स्वीकृति दे रही है, उसे इनके पूर्व के बीडीओ के द्वारा नियम विरुद्व बताते हुए देने से इंकार किया जा चुका है। ऐसा ही एक मामला रामनगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेलगढ़ी का सामने आया। यहां पर एक अस्थाई गौषाला हैं, नियमानुसार अस्थाई गौषालाओं में मनरेगा से स्थाई बाउंडीवाल का

❖ बखरा ने इनकी भी कार्यशैली को बदल दिया, जिस बीडीओ ने अनियमितता का हवाला देकर स्वीकृति देने से मना कर दिया, उसे रामनगर की बीडीओ ने आते ही मंजूरी दे दी

निर्माण नहीं हो सकता। डीसी मनरेगा संजय शर्मा ने बताया कि मनरेगा से सिर्फ स्कूलों के बाउंडीवाल का निर्माण हो सकता हैं, राज्य वित्त आयोग से अवश्य ग्राम पंचायतें निर्माण करवा सकती है। हैरान करने वाली बात यह है, कि जिस बाउंडीवाल की मनरेगा में स्वीकृति ही नहीं दी जा सकती, उसे बीडीओ वर्षा बगं ने आंखबद करके दे दिया, यह भी नहीं देखा कि क्यों बाउड़ीवाल का निर्माण होने के बाद स्वीकृति ली जा रही है, और क्यों ऐसे कार्य की स्वीकृति ली जा रही है, जिसकी

स्वीकृति देने से उनके पहले बीडीओ रमेष मिश्र ने मना कर दिया था।

इसे किसी भी दषा में बीडीओ मैडम का गौशाला प्रेम नहीं कहा जा सकता, इसे सिर्फ और सिर्फ बखरा ही कहा जा सकता। बेलगढ़ी के प्रधान दिनेष पांडेय, ग्राम पंचायत अधिकारी पप्पू यादव और बीडीओ वर्षा बगं ने मिलकर सरकारी धन के हड़पने की जो साजिष रची है, उसकी जांच कराने की मांग गांव वाले कर रहे है, और कह रहें हैं, कि मैडम ने आते ही आव देखा न ताव, लंबे-लबें सिक्सर मारना शुरु कर दिया।

इधर देखा गया है, कि पुरुषों की अपेक्षा महिला अधिकारियों में बखरा की अधिक भूख रहती है। चूंकि यह महिला होती है, इस लिए यह महिला होने का पूरा लाभ लेती है। जितना इन पर बखरा लेने का आरोप लग रहा है, उतना षायद पुरुष अधिकारियों पर नहीं लगता होगा। ऐसी भी महिला बीडीओ को देखा गया तो बड़ा बैग टांगकर आती थी, और उसे भरकर ले जाती था। कुदरहा में जो इन्होंने ईमानदारी दिखाई वह बहादुरपुर और रामनगर आते-आते बेईमानी में बदल गया।

'बखरा' के आगे '60-40' का कोई महत्व 'नहीं'!

मैडम का रामनगर में सिक्सर लगाना जारी हैं, यह उन ग्राम पंचायतों पर सबसे अधिक मेहरबान रहती है, जो 60-40 के रेसियो को तोड़ने में माहिर होते हैं। इनके इसी लिस्ट में सबसे ऊपर बेलगढ़ी ग्राम पंचायत के प्रधान दिनेष पांडेय और वहां के सचिव पप्पू का नाम षामिल है। इस ब्लॉक के प्रमुख ष्षकांत सिंह जहां 60-40 का रेसियो मेनटेन करना चाहते हैं, वहीं मैडम तोड़ना चाहती है। इसे लेकर दोनों में तकरार भी हो चुका है, और मैडम सारी भी कह चुकी है। ऐसे में प्रमुख के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है, कि इन्हें तो उसी ब्लॉक में पांच साल तक रहकर जबाव देना होगा, और बीडीओ लोग तो सिर्फ बखरा लेकर चले जाते है। अब जरा इनका अंदाज तो देखिए, इन्होंने ज्वाइन करते ही सभी सचिवों से जो बाठचर 60-40 के अनुपात में नहीं आता, उसे डिलीट करने को कहा। इनके इस संदेष से लोगों को लगने लगा था, कि अब इस ब्लॉक में 60-40 के अनुपात ही कार्यो की स्वीकृति और भुगतान होगा। मगर, ब्लॉक के लोगों का यह भ्रम बहुत जल्दी टूट गया, जब इन्होंने अधिक बखरे के लालच में 60-40 के रेसियों को तोड़ना षुरु कर दिया। वैसे भी सामग्री में रामनगर का 63 फीसद अनुपात है। यानि 13 फीसद अधिक। अब जरा अंदाजा लगाइए, कि जो बेलगढ़ी आठ लाख के माइनस में हो, उसके बावजूद अगर तीन विभिन्न तिथियों में 22 लाख के पक्के कार्यो की स्वीकृति दे दी जाए तो इसे आप क्या कहेंगे, जाहिर सी बात है, कि इसे बखरे का कमाल ही कहा जाएगा। जिस बीडीओ की जिम्मेदारी 60-40 के रेसियो को मेनबेन करने की है, अगर वही तोड़ना षुरु कर देगा वह भी बखरे के लालच में तो भ्रष्टाचार बढ़ेगा ही। इस मामले में जब बीडीओ के मोबाइल नंबर 9454464717 पर बात करने का प्रयास किया तो रिस्पांस नहीं मिला। रिस्पांस मिलने के बाद प्रकाषित कर दिया जाएगा।

इनकी ईमानदारी ने ही इन्हें मीडिया की चहेती बना दिया। गांव वालों का कहना है, कि आखिर किस नियम और कानून के तहत प्रधान और सचिव ने मिलकर बिना कार्य स्वीकृति कराए बाउंडीवाल पर लाखों खर्च कर दिया। गांव वाले इसे श्रमदान घोषित करने की मांग कर रहें है। यह भी कह रहे हैं, अगर, यह बीडीओ रामनगर में रह गई तो भ्रष्टाचार में रामनगर को अव्वल बनने में देर नहीं लगेगा, इन्हें यह नहीं दिखाई देता कि मनरेगा में 100 दिन का रोजगार देने में यह ब्लॉक पिछड़ा होने के मामले में पूरे जिले में दूसरे नंबर पर क्यों है? मगर, इन्हें तो पक्के कार्यो की स्वीकृति देने में बड़ा आनंद आता है, क्यों कि इसमें बखरा अधिक मिलता है।

'21' और '22' पर टिकी 'अध्यक्ष' की 'जीत-हार'

आज होगी राजनीति के माहिर खिलाड़ी जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी की असली परीक्षा

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...जब से 'संजय चैधरी' जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे हैं, तभी से इनके विरोधी इन्हें पटकनी देने के फिराक में लगे रहतें हैं, लेकिन आज तक यह लोग अध्यक्ष को पटकनी नहीं दे पाए। कई बार तो ऐसा भी लगा कि इस बार अध्यक्ष को विरोधी पटकनी दें देंगे। मगर, राजनीति के माहिर खिलाड़ी का दर्जा हासिल कर चुके अध्यक्ष के पैंतरे के आगे विरोधी की दाल नहीं गली। यही कारण इनके शुभचिंतक इनके लोकसभा का चुनाव लड़ने की सलाह दे रहें है। धीरे-धीरे चौधरियों में इनकी घुसपैठ बनती जा रही है।

सबसे बड़ी यह है, कि यह किस्मत के धनी है। वरना, कोई भी अध्यक्ष सर्वषक्तिमान से पंगा लेकर अधिक दिन तक कुर्सी पर नहीं बैठ सकता। अध्यक्ष के बार-बार जीतने का कारण और कोई नहीं बल्कि विरोध करने वाले सदस्यों का पलटना और बिकना रहा। अध्यक्ष को अच्छी तरह मालूम हैं, कि किस सदस्य की कितनी कीमत हैं। इनमें भले ही कुछ ऐसे सदस्य रहे जिनकी

▸▸ 22 का आकड़ा पाने के लिए अध्यक्ष और विरोधी खेमे में हो रही जंग ▸▸ अगर पाला बदलने वाले जिला पंचायत सदस्यों को दो मार्च की सुबह दस बजे से पहले गया तो समझो अध्यक्ष ने किला फतह कर लिया ▸▸ अधिकांश को दो-दो लाख उनके खाते में डाला जा चुका, लगभग एक दर्जन को मिल चुका ▸▸ अगर इन्हें तीन और नहीं मिला तो दो लाख भी बेकार जाएगा, दो पाने के बाद भी यह बैठक में नहीं जाएगें ▸▸ असंतुष्ट सदस्यों को वाट्सप ग्रुप के जरिए कहा जा रहा है, कि शाम तक बाकी मिल जाएगा

कीमत अध्यक्ष अभी तक नहीं लगा पाए। इनकी संख्या कम होने के कारण बार-बार इन्हें मुंह की खानी पडती है। पहले जैसी इस बार की लड़ाई नहीं हैं, इस बार तो अध्यक्ष की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई, और यह कभी नहीं चाहेगें कि चुनाव के दौरान उनकी प्रतिष्ठा पर कोई आंच आए। पहली बार अध्यक्ष को यह साबित करना है, कि उनके साथ कम से कम 22 सदस्य है। यह संख्या इस लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्यों कि दो मार्च को बोर्ड की इस साल की अंतिम बैठक होने जा रही हैं, और इसी बैठक में 24-25 के बजट को पास करना है, और इस बजट को पास करने के लिए सदन में 22 सदस्यों का उपस्थित रहना अनिवार्य हैं। अगर, बजट पास नहीं होगा तो जिले का विकास कार्य बाधित हो जाएगा, कोई टेंडर नहीं निकल सकता है, और कर्मियों को वेतन तक के लाले पड़ जाएगें। इसी लिए इस बैठक को अध्यक्ष के लिए अति महत्वपूर्ण माना जा रहा हैं। अध्यक्ष के खेमे के लोगों का कहना है, कि घबड़ाने की कोई बात नहीं अध्यक्षजी ने सारी तैयारी पूरी कर ली है। कोई संकट नहीं होगा, कहते हैं, कि सदन में 22 से अधिक सदस्य आएगें, और हर बार की तरह इस बार भी विरोधी खेमे को हार का मुंह देखना पड़ेगा।

बात फंसा है, दो और पांच लाख में। बैठक से पहले पहली बार कुछ सदस्यों के खाते में दो-दो लाख आ चुका है। मगर यह लोग पांच लाख से कम पर नहीं मान रहें है। विरोधी खेमे के लोगों ने भी सदस्यों को यह छूट दे रखी थी, कि अगर पांच-पांच लाख मिल जाए तो बेशक बैठक में जा सकते हैं। बता दें कि पांच लाख का फीगर इस लिए रखा गया, कि सदस्यों को जो अभी तक काम नहीं मिला उसका बखरा कह लीजिए या फिर हर्जाना। कुछ ऐसे ईमानदार सदस्य है, जो यह कहते हैं, कि बैठक में जाउगां अवष्य मगर हस्ताक्षर नहीं करुंगा और न 15 सौ रुपया वाला लिफाफा ही लूगां, लेकिन अध्यक्ष के काले कारनामें की धज्जियां अवष्य उड़ाउंगा।

ऐसे सदस्यों को न तो पांच-दस लाख से रोका जा सकता है, और न ठेका पटटी देकर ही उनका मुंह बंद किया जा सकता हैं। विरोध करने वालों में जो मुखर लोग हैं, उनका दुर्भाग्य यह है, कि वह खुद सदस्य नहीं हैं, बल्कि उनकी पत्नी है, अगर उनकी पत्नी गई भी तो वह कितना बोल पाएगी, इसे बताने की आवष्यकता नहीं है। नकली सदस्यों को बैठक में शामिल होने पर बोर्ड की ओर से रोक लगाई जा चुकी है। अगर यही नकली सदस्य बराबर अपनी पत्नियों का उनका अधिकार देते और बैठक में भाग लेने देते तो हो सकता था, कि कुछ बोल भी पाती। जिला पंचायत के इतिहास में पहली बार सदस्यों को उनके खाते में खर्चापानी के लिए दो-दो लाख भेजा गया, इसके पीछे क्या मंषा हैं, इसका सच अगर जानना चाहते हैं, तो एक सदस्य के उस वाट्सअप के मैसेज से जाना जा सकता है, जिसमें इन्होने लिखा कि उन्होंने चपरासी की नौकरी लगाने के लिए जो दस लाख दिया था, उसमें से दो लाख मिला, बाकी आठ लाख बाकी है। अब आप समझ गए होंगे कि खाते में दो-दो लाख भेजने के पीछे क्या मंषा हो सकती है, यह पैसा ठेकेदारों के द्वारा भेजा जा रहा है। ताकि समय आने पर इसका उपयोग/दुरुपयोग किया जा सके। सदस्यों को फोन करके कहा जा रहा है, कि आओ पैसा ले जाओ भले ही चाहें लं...से वोटवा न देना।

सचिव 'उमांकात पांडेय' के सामने 'बौने' साबित हो रहें 'एआर'

छह साल पहले यह 800 क्विंटल धान/गेहूं का अभिलेख लेकर फरार हो गए

न जाने कितनी बार एडीओ को एफआई आर दर्ज कराने के आदेश दिए गए

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...यूंही नहीं मंडल में पीसीएफ के धान/गेहूं खरीद में फर्जीवाड़ा हो रहा है। फर्जीवाड़ा करते-करते अधिकारी और सचिव/केंद्र प्रभारी इतने मजबूत हो चुके हैं, कि उन्हें हिलाने को कौन कोई छू तक नहीं सकता। सचिव घोटाला पर घोटाला करते जाते हैं, मगर जब इनके खिलाफ कार्रवाई की बारी आती है, तो इनकी मजबूती के आगे अधिकारी बौने साबित हाते नजर आते हैं। अब जरा अंदाजा लगाइए कि बी-पैक्स कोठिला के सचिव उमांकात पांडेय ने जिस व्यक्ति को नियम विरुद्व दसिया केंद्र का प्रभार दिया था, और लाखों का गबन करके अभिलेखलेकर फरार हो गया, अब उसी सचिव से कहा जा रहा है, कि जाओ एफआईआर करवाओं नहीं तो तुम्हारे खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया जाएगा।

इनके पास कोठिला के साथ दसिया का भी प्रभार था। एआर, कोठिला के सचिव और एडीओ सल्टौआ को पिछले छह साल से लिखते आ रहे हैं, मगर आज तक अभिलेख लेकर फरार होने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुआ, यह सबकुछ बखरे का कमाल है। क्यों कि जिस सचिव को एफआईआर दर्ज करवाना है, उसी सचिव की देखरेख में दसिया केंद्र पर लाखों का घाटाला हुआ, यह भी सही है, जो सचिव खुद घोटाले के आरोप में जेल जा चुका हो, वह कैसे अपने साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएगा। गलती, कोंठिला के सचिव और सल्टौआ के एडीओ की नहीं है, बल्कि एआर की है, जो छह साल में भी एफआईआर नहीं दर्ज करवा पाए। इससे बड़ा बखरा का सबूत और मिल ही नहीं सकता। एक तो क्विंटल का मामला नहीं हैं, बल्कि आठ सौ क्विंटल का मामला है। कोठिला के सचिव की मजबूती का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं, कि इन्हें जेल जाने के बाद भी निलंबित नहीं किया गया। बल्कि इन्हें केंद्र प्रभारी बनाकर पुरस्कार दिया गया। वर्तमान में यह पीसीएफ के कोठिला के प्रभारी है। जब एआर ने देखा कि सचिव मुकदमा नहीं दर्ज करवा रहे हैं, उन्होंने षीर्ष प्राथमिकता/अति आवश्यक/ महत्वपूर्ण का हवाला देते हुए कहा कि अगर इस बार एफआईआर नहीं दर्ज करवाया तो इनके साथ आप के खिलाफ मैं खुद एफआईआर दर्ज करवा दूंगा। ताज्जुब की बात तो यह है, कि कई एआर आए और गए, मगर पीसीएफ के डीएस आज भी वहीं हैं, इन्हीं के केंद्र दसिया में छह साल पहले फर्जीवाड़ा हुआ था। एआर ने एडीओ को अंतिम बार एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी है। अंतिम चेताचनी दिए 15 दिन हो गए, मगर, एडीओ पर कोई फर्क नहीं पड़ा, आजतक उन्होंने एफआईआर के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं करवाया।

▸▸ न जाने कितने एआर आए और गए मगर आज तक सचिव के खिलाफ एफआईआर नहीं दर्ज करवा पाए

▸▸ एक बार इनके खिलाफ गेहूं खरीद के मामने में एफआई आर दर्ज हो चुका जेल भी जा चुके, मगर इन्हें निलंबित करने के बजाए फिर केंद्र प्रभारी बना दिया गया

▸▸ इस बार एआर ने एडीओ को लिखवा कि अगर आपने एफआईआर दर्ज नहीं कराया तो आप दोनों के खिलाफ मैं एफआईआर दर्ज करवा दूंगा, यह केंद्र पीसीएफ का हैं, और डीएस भी वही हैं, जो वर्तमान में

पत्र में कहा गया कि साधन सहकारी समिति लि. दसिया में साल 2018-19 एवं 2019-20 में गेहूं/धान खरीद से संबधित अभिलेख ले जाने के आरोप में एक सप्ताह में अगर अभिलेख नहीं उपलब्ध कराए जाते तो संबधित व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। कहा कि बार-बार यह आदेश दिया जा रहा है, मगर अभी तक एफआईआर नहीं दर्ज करवाया गया। कहा गया कि तत्कालीन सचिव यानि उमाकांत पांडेय की ओर से धान/गेहूं का कुल आठ सौ क्विंटल डिलीवरी नहीं कराया गया। इसी को देखते हुए एआर ने लिखा कि अगर एफआईआर नहीं दर्ज करवाया तो आपके खिलाफ यानि सचिव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया जाएगा।

कमाई का सच! मानदेय 10 'हजार', खर्चा 50 'हजार'

यह है, बनकटी ब्लॉक के जेई की कमाई का सच

इसी कमाई के चलते पुलिस इन्हें तलाश कर रही

एंटी क्रप्शन वाले दिनभर इनकी तलाश में ब्लॉक का खाक छानते रहें

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...सुनकर हैरानी होगी मगर यह सच है, कि 7700 मानदेय पाने वाले रोजगार सेवक और दस हजार मानदेय पाने वाला तकनीकी सहायक जिसे जेई भी कहते हैं, का खर्चा माह का 50 हजार है। घूस के आरोप में फंसे आमकोईल के तकनीकी सहायक अरविंद पाठक का ठाट-बाट देख नहीं लगता कि यह एक मामूली टीएस है, जिन्हें माह में दस हजार मिलता हैं, यह व्यक्ति डेली गोरखपुर से चार पहिया कार से आते और जाते है।

ईधन में ही माह का 30 से 35 हजार लगता है। अगर कोई टीएस माह में 50 हजार खर्चा करता है, और उसकी उाकी असली कमाई मात्र दस हजार है, तो उसपर सवाल उठेंगे ही। एक दिन पहले एंटी काष्पन की टीम ने इसी गांच के रोजगार सेवक को नकली प्रधान रतनलाल यादव से 50 हजार घूस लेते पकड़ा, प्रधान ने तकनीकी सहायक का भी नाम लिया था, जिसके बिना पर इनके खिलाफ भी

▸▸ दस हजार मानदेय पाने वाला मामूली सा तकनीकी सहायक अगर डेली चार पहिया से गोरखपुर से आएगा तो समझ सकते हैं, उनकी आमदनी कितनी होगी ▸▸ यह वही आमकोइल का टीएस अरविंद पाठक है, जिसे एंटी क्रप्शन की टीम से रोजगार सेवक के साथ इनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया ▸▸ इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी ब्लॉक में फर्जीवाड़ा नहीं रुका ▸▸ घूस लेते पकड़े गए, अभी एक दिन भी नहीं बीता होगा, 38 गांव में फर्जी मस्टरोल निकाले गए ▸▸ इनमें सबसे अधिक पोखरे की खुदाई में एक साथ 280 मस्टरोल निकला

मुकदमा कायम हुआ। इसी को लेकर षुक्रवार को दिन भर एंटी करप्षन की टीम इन्हें तलाष करती रही। ब्लॉक का चक्कर लगाती रही, पूछताछ भी किया। बनकटी के लोगों को यह लगा कि इस घटना के बाद ब्लॉक में फर्जीवाड़ा बंद हो जाएगा, मगर बंद होने को कौन कहे और बढ़ गया। जानकर हैरानी होगी कि घटना के दूसरे 38 गांव में फर्जी मस्टरोल का बाढ़ आ गया। सबसे अधिक मस्टरोल एक पोखरे की सफाई के लिए 280 मजदूरों का मस्टरोल निकला।

इस एक पोखरे पर 28 मस्टरोल निकला, जो अपने आप में ही एक रिकार्ड है। घटना के बाद जहां ब्लॉक में भ्रष्टाचार पर ताला लगना चाहिए था, वहीं भ्रष्टाचार का ताला खुल गया, और यहि सब उस बीडीओ की देखरेख में हो रहा, जिन्होंने भ्रष्टाचार को समाप्त करने का बीड़ा उठाया था। जिन ग्राम पंचायतों में फर्जी मस्टरोल निकलने की बाते कही जा रही है, उनमें अहिरौली, बाघापर बजहा, बखरिया, बेहिल, भिटहा, छितौनी, डढ़वा कांची, डढ़वा लगुनी, धौरुखोर, धौरहरा गोचना, घुघसा, गोविदपुर, गुलौरा, गुलहरिया सिरमा, हरैंया, कबरा, कराह पिठिया, खरका, मेहडा, मुरादपुर उर्फ बेलराई, सिरौता, सोहिला, सूरापार, पगारखास, पड़री, पिकौरा शुकाली, ससना खंता, तुरकौलिया बरगाह, पिकौरा शुक्ल, मोंहनाखोर सहित अन्य गांव शामिल।

आमने-सामने से भिंडी बाइक

तेजयुग न्यूज

ऊंचाहार। रायबरेली। दो बाइकों के बीच आमने सामने से हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गये, जिन्हें राहगीरों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मामला नगर के खरौली रोड का है, जहां शुक्रवार की दोपहर दो बाइकों के बीच आमने सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई, घटना में एक बाइक पर सवार विक्रम 17 वर्ष, व दिव्यांश 16 वर्ष निवासी पूरे जिल्हा मजरे गंगौली तथा दूसरे बाइक पर सवार कासिफ 30 वर्ष निवासी रेलवे कॉलोनी घायल हो गये, राहगीरों की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोग सीएचसी आये थे, जिनका उपचार किया जा रहा है।

'डीसी मनरेगा' ने 'पकरी सोयम' में पकड़ा 'भ्रष्टाचार'

तेजयुग न्यूज

बस्ती। विकासखंड रुधौली के ग्राम पंचायत पकरी सोयम में लगातार भ्रष्टाचार की खबरों को उपायुक्त श्रम रोजगार ने संज्ञान लेते हुए औचक निरीक्षण किया। 148 में से मात्र 27 मजदूर काम करते पाए गए। जबकि हाजिरी 148 मजदूरों की लगी थी। दो मस्टरोल पर कार्य चल रहे था। जिसमें प्रथम मास्टर रोल में मझौआ सरहद से पकरी रायठ मार्ग पुल तक नहर का पटरी निर्माण कार्य चल रहा था

जिसमें कुल 72 श्रमिकों की ऑनलाइन हाजिरी लगाई गई। जबकि दूसरी तरफ पकरी रायठ मार्ग पुल से सिसवारी सरहद तक नहर का पट्टी निर्माण कार्य पर कल 76 मजदूर की ऑनलाइन हाजिरी लगाई गई थी। औचक निरीक्षण में नरेगा साफ्ट के अनुसार उक्त दोनों परियोजनाओं पर एनएमएमएस के माध्यम से दर्ज की गई उपस्थिति का परीक्षण भी किया गया जिसमें यह पाया गया की मात्र पकरी रायठ मार्ग पुल से सिसवारी सरहद तक नहर का पटरी निर्माण कार्य पर 4 मस्टररोल पर कुल 27 श्रमिक को हाजिरी उपस्थिति दर्ज की गई। निरीक्षण के दौरान उपरोक्त दोनों परियोजनाओं पर निर्गत किए गए मास्टर रोल में नियोजित कुल 148 श्रमिकों के सापेक्ष 27 श्रमिक की कार्यस्थल पर मौजूद मिले हैं। जिस पर उपायुक्त श्रम रोजगार ने अवर अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से जांच कर कर अपने स्पष्ट आख्या प्रस्तुत करने को कहा है। जिससे उचित कार्रवाई की जा सके।

आपको बताते चलें इस ग्राम पंचायत में लगातार भ्रष्टाचार की खबरों को लेकर पत्रकारों से भी उनके लोगों द्वारा हाथापाई और मोबाइल छीनने जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। यदि 15 फरवरी सहित अन्य दिनों से चल रहे कार्यों की जांच की जाए तो निश्चय ही मस्टरोल जीरो होना चाहिए। सूत्रों की माने तो ग्राम प्रधान द्वारा इसके पहले भी कई मामलों को लेकर भ्रष्टाचार की खबरें प्रकाशित की गई थी लेकिन उसका पूर्णतया जांच नहीं हो पाई। यदि जांच में दोषी ग्राम विकास अधिकारी, टीएस, रोजगार सेवक सहित ग्राम प्रधान पाए जाते हैं तो इनके खिलाफ उचित कार्यवाही हो जिससे जनपद के सभी ग्राम प्रधानों को सबक दिलाया जा सके।

▸▸ किया पकरी सोएम का निरीक्षण, 148 के स्थान पर मात्र 27 मजदूर काम करते मिले

राष्ट्रीय फॉलोअप खबर

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने भाजपा पर साधा निशान

तेजयुग न्यूज

ऊंचाहार/ रायबरेली : पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान स्थानीय मुद्दों को हवाला देकर भाजपा पर निशाना साधा है। बताते चलें कि आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर शुक्रवार को विधानसभा सभा ऊंचाहार पहुंचे थे। दरअसल वह जनपद फतेहपुर किसी कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे। इसी दौरान उनके संगठन के लोगों ने उनका स्वागत किया जिसके बाद पत्रकारों से रुबरु होते हुए अमिताभ ठाकुर ने स्थानीय बिजली उत्पादन एनटीपीसी को आड़े हाथों लिया और कहा कि एनटीपीसी यहां की जनता के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। यह संस्था अपने क्षेत्र में कोई विकास नहीं किया है। एनटीपीसी का प्रदूषित पानी और काले धुएं सहित उड़ने वाली राख लोगों के लिए मौत का सबब बनता जा रहा है।

वहीं भाजपा सरकार की घेराबंदी करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ दबाव बनाकर दूसरे दलों के नेताओं खामोश रहने के लिए मजबूर कर रही है। वहीं सपा विधायक मनोज कुमार पांडे को लेकर जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन पर भी भ्रष्टाचार व ईडी का शिकंजा का भय दिखाया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों छात्र में गायब

ऊंचाहार/रायबरेली : घर से परीक्षा देने गया छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया, काफी खोजबीन के बाद भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई।युवक के पिता ने कोतवाली में गुमशुदगी की तहरीर दी है। क्षेत्र के पीपरी मजरे छतौना मरियानी गाँव निवासी रमेश कुमार का कहना है कि उनका बेटा दीपक कुमार इंटर का छात्र है, जो गुरुवार को घर से लक्ष्मीगंज स्थित विद्यालय में परीक्षा देने गया था, लेकिन घर वापस लौटकर नहीं आया, काफी खोजबीन के बाद भी उसके बारे मे कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। शुक्रवार को पीड़ित ने कोतवाली में गुमशुदगी की तहरीर दी है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर छात्र की तलाश की जा रही है।